रेलवे वर्दी समिति

१९८९. श्री नरदेव स्नातक : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेलवे कर्मचारियों को वर्दियां देने सम्बन्धी नियमों में एकरूपता लाने के लिये रेलवे बोर्ड द्वारा मई, १९५५ में जो समिति नियुक्त की गई थी, क्या उसने अपना काम समाप्त कर लिया है ;

(ख) यदि हां, तो यह काम कब पूरा हुआ और उस समिति के सदस्य कौन कौन हैं ;

(ग) उनकी मुख्य सिफारिशें क्या हैं, और

(घ) कितनी सिफारिशों पर कार्यवाही की जा चुकी है और कितना सिफारिशों पर कार्यवाही होना बाकी है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) जी हां ।

(ख) कमेटी ने १०-८-१९५७ को अपनी रिपोर्ट दी । इस कमेटी में हर रेलवे के स्टोर्स विभाग का एक-एक सीनियर अफसर और रेलवे बोर्ड के ३ अफसर थे ।

(ग) कमेटी की मुख्य सिफारिश नीचे लिखी बातों के बारे में हैं :—

(१) किन-किन कर्मचारियों को वर्दी मिलनी चाहिये इसमें सम्बन्धित सिद्धान्त ;

(२) वर्दियां किस हिसाब से दी जायें ;

(३) वर्दियों का रंग और उनकी बनावट कैसी हो, और

(४) वर्दियां कैसी तैयार कराई जायें ।

(घ) रिपोर्ट पर विचार किया जा रहा है ।

रेलों में भ्रष्टाचार के मामले

१९९०. श्री नरदेव स्नातक : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भ्रष्टाचार के मामलों में फंसने के कारण अब तक कितने रेलवे पदाधिकारियों को नौकरी से अलग किया जा चुका है ;

(ख) उनमें से कितने ट्रैफिक, इंजीनियरिंग, पर्मनल, चिकित्सा तथा भाण्डार सम्बन्धी विभागों से सम्बन्धित थे और वे किस किस रेलवे के थे ; और

(ग) चिकित्सा सम्बन्धी विभाग के कितने पदाधिकारियों के मामले चिकित्सा परिषद् को भेजे गये ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) . (क) १९५७ में अब तक चार का ।

(ख) एक अफसर मध्य रेलवे के स्टोर्स विभाग का था और बाकी तीन पश्चिम रेलवे के थे . एक सिविल इंजिनियरिंग, एक मेकैनिकल इंजिनियरिंग और एक लेखा विभाग का ।

(ग) कोई नहीं ।

Passenger Amenities

1991. Shri Yajnik: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) the terms and conditions on which a monopoly is given to various persons to run the hair cutting and shaving saloons on the Western Railway stations;

(b) whether Government are aware that the licensees employ other people as their sub-agents to run these establishments on very unjust terms and that the sub-agents get a very miserable share of their earnings, and

(c) whether Government would take any action to see that all establishments are run personally by those who are given the licenses by the Railway Ministry?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) and (c). Out of ten stations at which such licences are current, in the case of five, the barbers are directly licenced, while the licence in respect of the other five has been issued to a contractor who employs the barbers. Also, even in respect of these five stations, instructions have recently been issued to the Western Railway to licence the barbers directly on the expiry of the existing contract.

The terms of these contracts are that a reasonable annual licence fee per barber per station is levied and that a small cubicle, with a table and a chair, is permitted in the III Class waiting hall for the purpose of the contract.

(b) No.

Inland Waterways

1992. **Shri Ghosal:**
Shri B. Das Gupta:

Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state:

(a) whether there is any statutory body to control and supervise the Inland Waterways from Calcutta to Assam by Ganga and Brahmaputra; and

(b) if so, the name of the body and its functions?

The Minister of Transport and Communications (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Railway Line from Santragachi to Bishnupur

1993. **Shri Ghosal:**
Shri B. Das Gupta:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether there is a proposal to lay a railway line connecting Santragachi to Bishnupur *via* Arambeg in West Bengal; and

(b) if so, whether any survey has been carried out in this regard and the time it will take for the proposal to materialise?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

रेलों में प्रोत्साहन देने की योजना

१९९५ श्री नरदेव स्नातक :
श्री रा० स० तिवारी :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रत्येक रेलवे के किन किन स्टेशनों तथा वर्कशापों में प्रोत्साहन देने वाली योजना चालू की गई है ;

(ख) रेलों में मजदूरों और प्रबन्धकों के प्रश्न का अध्ययन करने के लिये किस प्रकार की योजना बनाई गई है ; और

(ग) उसे कब तक कार्यान्वित किया जायेगा ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) :

(क) (१) चितरंजन कारखाने की सभी उत्पादन-शालाओं (Production Shops) में यह योजना चालू की गयी है ।

(२) पूर्व रेलवे के जमालपुर और कंचरापारा कारखानों के कुछ निर्माण-विभागों (manufacturing sections) में और दक्षिण रेलवे के पेरम्बूर कारखाने में भी आंशिक रूप से यह योजना चालू की गयी है ।

(ख) तथा (ग). अगर सवाल का मतलब प्रबन्ध में मजदूरों के भाग लेने से है,